

भियाल जातीहरुको सामाजिक,आर्थिक पृष्ठभूमि र पेशामा आएको परिवर्तन:
मुगु जिल्ला कार्किवाडा गा.बि.स.वडा नं.७ ,सुपकोट स्थित भियाल जातिको
अध्ययन

त्रिभुवन विश्व विद्यालय मानविकी तथा सामाजिकशास्त्र
संकाय अन्तर्गत समाजशास्त्र विषयको स्नातकोत्तर
तहको उपाधी प्राप्तिको आंशिक आवश्यकता
परिपुर्तिको लागी प्रस्तुत गरिएको
शोध पत्र

शोधकर्ता :

युवराज तिमिल्सिना

परीक्षा रोलन : २८३४३५

त्रि.वि.रजिष्ट्रेशन नंम्बर:-९-१-४८-११७६-९६

समाजशास्त्र/मानवशास्त्र केन्द्रिय विभाग,

किर्तिपुर,काठमाडौं

२०७०

त्रिभुवन विश्वविद्यालय मानविकी तथा सामाजिकशास्त्र संकाय
समाजशास्त्र/मानवशास्त्र केन्द्रिय विभाग
विश्वविद्यालय क्याम्पस
किर्तिपुर, काठमाडौं

सिफारिस पत्र

त्रिभुवन विश्वविद्यालयद्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम अनुसार स्नातकोत्तर तहको आंशिक आवश्यकता पूरा गर्नको निमित्त मेरो निर्देशनमा युवराज तिमिल्सिनाले भियाल जातिको समाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि र पेशामा आएको परिवर्तन : मुगु जिल्ला कार्किवाडा गा.बि.स.वडा नं.३ सुपकोटको बारेमा गरिएको समाजशास्त्रीय अध्ययनको शिर्षकको शोधपत्र तयार गरेको प्रमाणित गर्दै उक्त शोधपत्रको अन्तिम मुल्याङ्कन को लागि शोधपत्र मूल्याङ्कन समिति समक्ष सिफारिस गर्दछु ।

मिति २०७०।९। गते ।

डा.टिकाराम गौतम
उप-प्राध्यापक
समाजशास्त्र तथा मानवशास्त्र केन्द्रिय विभाग
विश्वविद्यालय क्याम्पस
किर्तिपुर, काठमाडौं ।

त्रिभुवन विश्वविद्यालय मानविकी तथा समाजशास्त्र संकाय

समाजशास्त्र/मानवशास्त्र केन्द्रीय विभाग

विश्वविद्यालय क्याम्पस

किर्तिपुर, काठमाडौं

स्वीकृती पत्र

त्रिभुवन विश्वविद्यालय मानविकी तथा सामाजिकशास्त्र संकाय अन्तर्गत समाजशास्त्र विषयको स्नातकोत्तर तहको निम्ति युवराज तिमिल्सिनाद्वारा तयार पारिएको यो शोधपत्र भियाल जातीहरुको सामाजिक, आर्थिक पृष्ठभूमि र पेशामा आएको परिवर्तन: मुगु जिल्ला कार्किवाडा बि.स.वडा नं.७ सुपकोट स्थित भियाल जातिको अध्ययन स्नातकोत्तर उपाधिका लागि उपयुक्त ठहरिएकोले स्वीकृती प्रदान गरिएको छ।

शोध मूल्याङ्कन समिति

.....

प्रा.डा. ओम गुरुङ्ग

विभागीय प्रमुख

.....

शोध-निर्देशक

उप-प्रा.डा. टिकाराम गौतम

.....

बाह्य परीक्षक

मिति २०७०।। गते।

कृतज्ञता

प्रस्तुत (भियाल जातिहरुको सामाजिक ,आर्थिक पृष्ठभूमि र पेशामा आएको परिवर्तन, मुगु जिल्ला कार्कीवाडा गा.वि.स.वडा नं.७ सुपकोट) विषयक शोधपत्र समाजशास्त्र विषयका उप प्राध्यापक श्री डा. टिकाराम गौतम ज्यु को कुशल निर्देशनमा र विभागका अन्य गुरुज्यूहरुको सहयोगमा तयार पारिएको हो । आफ्नो व्यवस्तताका बाबजुत पनि आफ्नो अमूल्य समयको प्रवाह नगरी सद्भावपूर्ण तवरले प्राप्त भएको उहाँहरुको अमूल्य निर्देशन र सहयोग प्रति म सदैव ऋणी रहने छु । शोध प्रस्ताव स्वीकृत गरी प्रस्तुत शोधपत्र लेखनमा सुवअवसर प्रदान गर्नुहुने समाजशास्त्र /मानवशास्त्र केन्द्रिय विभाग र विभागिय प्रमुख श्री डा. ओम गुरुङ्ग सर प्रति आभारी छु ।

शोधपत्रको तयारीका क्रममा आवश्यक सल्लाह दिदै हौसला दिनुहुने क्याम्पसका कर्मचारी श्री पुस्तकालय प्रमुख र क्याम्पसमा काम गर्ने सम्पूर्ण कर्मचारी ज्युहरु प्रति आभार व्यक्त गर्दछु ।

मेरो पढाईलाई प्राथमिकतामा राखि आफ्ना सबै समस्यालाई गौण मान्दै मेरो अध्ययनलाई यहाँसम्म पुऱ्याउने सहयोग गर्नुहुने पुजनिय बुवा श्री नयन दत्त तिमिल्सिना, आमा सिता तिमिल्सिनाज्यू ,दिदी मोनिका तिमिसिना एवं मलाई पढाईमा सदैव हौसला प्रदान गर्ने मेरो पत्नी संगिताप्रति हृदय देखि धन्यवाद एवं उहाँहरु प्रति आभार व्यक्त गर्दै उहाँहरुसंग सदैव ऋणी रहनेछु ।

प्रस्तुत शोधपत्र तयार गर्ने क्रममा सहयोग गरिदिनुहुने रारा क्याम्पस मुगुका क्याम्पस प्रमुख डम्बर वहादुर रावल एवं मुगु जिल्ला कार्कीवाडा गा.वि.स.वडा नं.७ सुपकोट गाँउका आदरणीय आमा, बुवा, दाजु, भाई तथा दिदी बहिनीहरुले आवश्यक जानकारी दिएर यो शोधपत्रलाई सार्थक बनाईदिनु भएकोमा आभारी छु, धन्यवाद ॥

मिति: २०७०

शोधकर्ता
युवराज तिमिल्सिना
मानविकी तथा सामाजिकशास्त्र संकाय
समाजशास्त्र /मानवशास्त्र केन्द्रिय विभाग
ककिर्तिपुर ,काठमाडौं

बिषय सूची :

परिच्छेद :- एक

| क्र.सं. | विवरण | पृष्ठ संख्या |
|---------|-------------------------|--------------|
| १. | परिचय | १-९ |
| १.१ | पृष्ठभूमी | १ |
| १.२ | दलितहरुको परिभाषा | २ |
| १.३ | मुगुका दलितहरु | २ |
| १.४ | भियाल जाति | ३ |
| १.५ | भियाल दलितहरुको वंशावली | ५ |
| १.६ | समस्याको कथन | ७ |
| १.७ | अध्ययनको उद्देश्य | ७ |
| १.८ | अध्ययनको महत्व | ८ |
| १.९ | अध्ययनको सिमा | ८ |
| १.१० | यस अध्ययनको संगठन | ९ |

परिच्छेद :- दुई

| क्र.सं. | विवरण | पृष्ठ |
|---------|--|-------|
| २. | सम्बन्धित लेख र रचनाहरुको समिक्षा | १०-२१ |
| २.१ | परिचय | १० |
| २.२ | दलित जातीको इतिहास,नामाकरण र वर्गिकरण | १४ |
| २.२.१ | दलित जातीको इतिहास | १४ |
| क | वैदिक काल | १४ |
| २.२.२ | दलितहरुको नामाकरण | १५ |
| २.२.३ | दलितहरुको वर्गिकरण | १६ |
| २.३ | मुगुका दलितहरुको वारेमा लेखिएका लेखहरु | १७ |

परिच्छेद :- तिन

| क्र.सं. | विवरण | पृष्ठ |
|---------|----------------------------|-------|
| १. | अनुसन्धान विधि | २२-२५ |
| ३.१ | अध्ययनको क्षेत्र छनौट | २२ |
| ३.२ | अनुसन्धान ढाँचा | २३ |
| ३.३ | अध्ययनको समग्रता | २३ |
| ३.४ | तथ्याङ्कको श्रोत र प्रकृती | २३ |
| ३.५ | तथ्याङ्क संकलन विधी | २३ |
| ३.५.१ | घरधुरी सर्वेक्षण | २४ |

| | | |
|-------|------------------------------------|----|
| ३.५.२ | अवलोकन | २४ |
| ३.५.३ | सामुहिक छलफल | २४ |
| ३.५.४ | जानकार उत्तरदाता | २४ |
| ३.६ | तथ्याङ्कको विश्लेषण र प्रस्तुतिकरण | २४ |

परिच्छेद :- चार

| क्र.सं. | विवरण | पृष्ठ |
|---------|--|-------|
| ४ | अध्ययन क्षेत्रको भौगोलिक अवस्थिती र भियाल जाती | २६-२९ |
| ४.१ | परिचय | २६ |
| ४.२ | भियाल दलित | २६ |
| ४.३ | प्राकृतिक श्रोत | २६ |
| ४.४ | जातिगत विवरण | २७ |
| ४.५ | शैक्षिक स्थिती | २७ |
| ४.६ | स्वास्थ्य सम्बन्धी विवरण | २८ |
| ४.७ | यातायात | २८ |
| ४.८ | विजुली | २९ |
| ४.९ | संचार | २९ |

परिच्छेद :- पाँच

| क्र.सं. | विवरण | पृष्ठ |
|---------|--------------------------------------|-------|
| ५ | सामाजिक साँस्कृतिक अवस्था | ३०-४६ |
| ५.१ | उमेर र लिङ्ग अनुसार जनसंख्या विवरण | ३० |
| ५.२ | वैवाहिक स्थिती | ३० |
| ५.३ | परिवारको प्रकार | ३१ |
| ५.४ | परिवारको आकार | ३२ |
| ५.५ | साक्षरतास्तर | ३३ |
| ५.६ | स्वास्थ्य स्थिती | ३४ |
| ५.६.१ | भियाल समाजमा देखा परेका परिवर्तनहरु | ३५ |
| ५.६.२ | पारिवारीक संरचनामा आएको परिवर्तन | ३५ |
| ५.६.३ | विहेवारीमा आएको परिवर्तन | ३६ |
| ५.६.४ | स्वास्थ्य स्थितीमा देखिएका परिवर्तन | ३६ |
| ५.६.५ | भेषभुषा तथा खापानमा देखिएको परिवर्तन | ३६ |
| ५.६.६ | सामाजिक संस्थाको निर्माण | ३७ |
| ५.७ | परिवार नियोजन बारे जानकारी | ३७ |
| ५.८ | भाषा | ३८ |

| | | |
|---------|--------------------------------|----|
| ५.९ | भेषभुषा | ३९ |
| ५.१० | धर्म | ४० |
| ५.११ | नातेदारी प्रथा | ४० |
| ५.१२ | नातेदारीमा प्रयोग हुने शब्दहरू | ४० |
| ५.१३ | चाडपर्व | ४१ |
| ५.१३.१ | साउने संक्रान्ती | ४१ |
| ५.१३.२ | माघे संक्रान्ती | ४१ |
| ५.१३.३ | मष्टा देवताको पूजा | ४१ |
| ५.१३.४ | गावे संक्रान्ती | ४२ |
| ५.१३.४ | वडा दशै | ४२ |
| ५.१३.५ | तिहार | ४२ |
| ५.१३.६ | भुवो भैलो औसी | ४२ |
| ५.१३.७ | चैते दशै | ४३ |
| ५.१३.८ | बैशाख पूर्णिमा | ४३ |
| ५.१३.९ | कृष्ण जन्माष्टमी | ४३ |
| ५.१३.१० | फागु पूर्णिमा | ४३ |
| ५.१३.११ | विउ रोपाई | ४३ |
| ५.१३.१२ | भूतप्रेत | ४३ |
| ५.१४ | राजनैतिक सहभागिता | ४४ |
| ५.१५ | जीवन संस्कार | ४४ |
| ५.१५.१ | जन्म | ४४ |
| ५.१५.२ | न्वारन | ४५ |
| ५.१५.३ | विवाह | ४५ |
| ५.१५.४ | मृत्यू | ४६ |

परिच्छेद :- छ

| क्र.सं. | विवरण | पृष्ठ |
|---------|-------------------------------|-------|
| ६. | आर्थिक अवस्था र भियाल जाती | ४७-५२ |
| ६.१ | भू-स्वामित्व | ४७ |
| ६.१.१ | खेतवारी | ४७ |
| ६.२ | उत्पादनको स्थिती | ४८ |
| ६.३ | खाद्यान्नको पर्याप्तता | ४९ |
| ६.४ | आर्थिक संगठन | ५० |
| ६.५ | बार्षिक आय र व्यय | ५१ |
| ६.५.१ | बार्षिक आय | ५१ |
| ६.५.२ | अनुमानित बार्षिक व्ययको विवरण | ५२ |

परिच्छेद :- सात

| क्र.सं. | विवरण | पृष्ठ |
|---------|--|-------|
| ७ | भियाल जातीको पेशागत रुपमा आएको परिवर्तन | ५३-५६ |
| ७.१ | परिचय | ५३ |
| ७.२. | पेशामा देखिएको परिवर्तनका रुपहरु | ५३ |
| ७.२.१. | मूख्य पेशा | ५३ |
| ७.२.२ | सहायक पेशा | ५४ |
| ७.३. | पशुपालन | ५४ |
| ७.४. | पेशामा आएको परिवर्तन का स्वरुप र कारणहरु | ५५ |
| ७.४.१ | जिविकोपार्जन | ५५ |
| ७.४.२ | आधुनिकरण | ५६ |
| ७.४.३ | पुस्तान्तरण | ५६ |

परिच्छेद :- आठ

| क्र.सं. | विवरण | पृष्ठ |
|---------|-------------------|-------|
| ८ | सारांश र निष्कर्ष | ५७-५८ |
| | सन्दर्भ सामाग्री | ५९-६० |
| | परिशिष्टहरु | ६१-७१ |

तालिका सूची

| तालिका नं. | विवरण | पृष्ठ |
|------------|--|-------|
| १ | शैक्षिक संस्थाका प्रकारहरु | २८ |
| २ | उमेर र लिङ्ग अनुसार जनसंख्या विवरण | ३० |
| ३ | भियाल जातिहरुको वैवाहिक अवस्था | ३१ |
| ४ | परिवारको प्रकार | ३२ |
| ५ | उत्तरदाताको साक्षरता स्तर | ३४ |
| ६ | स्वास्थ्य स्थितीको विवरण | ३५ |
| ७ | परिवार नियोजन बारे जानकारी | ३८ |
| ८ | भियाल जातिहरुले प्रयोग गर्ने गरेका शब्दहरु | ३९ |
| ९ | नातेदारीमा प्रयोग हुने शब्दहरु | ४० |
| १० | उत्पादनको स्थिती विवरण | ४८ |
| ११ | अनुमानित उत्तरदाताको बार्षिक आय विवरण | ५१ |
| १२ | अध्ययन क्षेत्रका उत्तरदाता भियालहरुको बार्षिक खर्च विवरण | ५२ |
| १३ | मूख्य पेशाको विवरण | ५४ |
| १४ | उत्तरदाताको आधारमा पशुपालन विवरण | ५५ |

चित्र सूची

| चित्र नं. | विवरण | पृष्ठ |
|-----------|--|-------|
| १ | अध्ययन क्षेत्रका भियाल जातिहरुको जम्मा परिवारको आकार | ३३ |
| २ | खाद्यान्नको पर्याप्तताको विवरण | ४९ |
| ३ | खाद्यान्नको पर्याप्तता | ५० |